



क्रमांक 13704/अका. / 2014

रायपुर, दिनांक २५/03/2014

।। अधिसूचना ।।

दानदाता— डॉ. स्मिता गुप्ता के द्वारा **डॉ. एस.एम. अग्रवाल,** अध्यक्ष, बायोसाइंस अध्ययनशाला, पं. रिवशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के नाम से स्वर्ण पदक प्रदान किये जाने की अनुशंसा को, विश्वविद्यालय कार्यपरिषद् की बैठक दिनांक 14.02.2014 में, अनुमोदित किया गया है। यह स्वर्ण पदक सत्र 2012—13 से विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'एम.एस—सी. बायोसाइंस' परीक्षा में पं. रिवशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय अध्ययनशाला के पात्र अभ्यर्थी को आगामी स्वर्ण पदक अलंकरण समारोह या दीक्षांत समारोह में प्रदान किया जाएगा। विनियम क्रमांक 152 की स्थापना निम्नानुसार की गई है —

Regulation No. - 152 (E.C. Under 14-02-2014)

Dr. S.M. AGARWAL GOLD MEDAL,

FOUNDER PROFESSOR OF BIOSCIENCE

Donor

Award

Dr. Smita Gupta, 13, Sheshadri Colony, Indore- 452006 Mob. No. 9827277740

Value of Endowment

Rs. 60,000.00 (Rs. Sixty Thousand Only) B.No./R.No. 4068/51 Dated- 31-12-2013

One Gold Medal

- 1. The Endowment shall be called "Dr. S.M. Agarwal Gold Medal, Founder Professor of Bioscience" and it shall be inscribed on one side of the Medal.
- The net income accruing from endowment every year shall be utilized for the award of Gold Medal at the annual convocation of the University to the Student who secures first position in merit list in M.Sc. Bioscience students of University Examination of School of studies of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, provided that the candidate has passed the examination in the first attempt.

3. In the event of two or more examinees being eligible for the award under the provisions of para-2, such an examinee who is younger or youngest in age, shall be awarded the medal.

4. The award of Gold Medal shall be effective from examination 2012-2013.

कार्यपरिषद् के आदेशानुसार,

कुलसचिव

पृ. क्रमांक **13 7 05** / अका. / **2014** प्रतिलिपि :

रायपुर, दिनांक २५ /03/2014

प्रातालाप . 01 डॉ. स्मिता गुप्ता, 13, शेषाद्रि कालोनी, इन्दौर (म.प्र.)

02. अध्यक्ष, समस्त अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

03. समस्त विभाग प्रमुख, विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन,

04. स.कु.स. परीक्षा / उ.कु.स. गोपनीय / वि.क.अ. विकास / प्रभारी अधिकारी सामान्य प्रशासन,

05. कुलपित के सचिव / कुलसचिव के निजी सहायक,

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित।

उप कुन्नसिवव (अका.)





क्रमांक : 1A-6

/अका. / 2014

रायपुर, दिनांक : 🛴 /04/2014

।। अधिसूचना ।।

दानदाता— डॉ. व्यास नारायण दुबे के द्वारा स्व. पं. मनराखन लाल दुबे की स्मृति में, स्वर्ण पदक की स्थापना से संबंधित विनियम को, विश्वविद्यालय विद्यापरिषद् की स्थायी समिति की बैठक दिनांक 28.02.2014 एवं कार्यपरिषद् की बैठक दिनांक 25.03.2014 में, अनुमोदित किया गया है। यह स्वर्ण पदक सत्र 2013—14 से विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'एम.ए. अंतिम छत्तीसगढ़ी' परीक्षा में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय अध्ययनशाला के पात्र अभ्यर्थी (पुरूष छात्र) को आगामी स्वर्ण पदक अलंकरण समारोह या दीक्षांत समारोह में प्रदान किया जाएगा। विनियम क्रमांक 153 की स्थापना निम्नानुसार की गई है—

Regulation No. - 153 (E.C. Under 25-03-2014)

LATE. PT. MANRAKHAN LAL DUBEY MEMORIAL GOLD MEDAL

Donor

Award

Dr. Vyas Narayan Dubey,

B-2/5, Manas Kunj, Lokmanya Grih Nirman Samiti,

Rohini Pooram, Raipur- 492010

Mob.No. - 98261-28327

Value of Endowment

Rs. 50,000.00 (Rs. Fifty Thousand Only) B.No./R.No. Gbk-254 Dated- 22-Jan.-2014

- One Gold Medal

 The Endowment shall be called "Late. Pt. Manrakhan Lal Dubey Memorial Gold Medal" and it shall be inscribed on one side of the Medal.

The net income accruing from endowment every year shall be utilized for the award of Gold Medal at the annual convocation of the University to the Student who secures first position in merit list in 'M.A. (Final) Chhattisgarhi' male student of University Examination of School of studies of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, provided that the candidate has passed the examination in the first attempt.

3. In the event of two or more examinees being eligible for the award under the provisions of para-2, such an examinee who is younger or youngest in age, shall be awarded the

medal.

The award of Gold Medal shall be effective from examination 2013-2014.

कार्यपरिषद् के आदेशानुसार,

क<u>ृ</u>लसचिव

पृ. क्रमांक : **14-1** प्रतिलिपि :

🕇 /अका./2014

रायपुर, दिनांक : \ 6 /04/2014

01 डॉ. व्यास नारायण दुबे, बी–2/5, मानस कुंज, लोकमान्य गृह निर्माण समिति, रोहिणी पुरम, रायपुर – 492010

02. अध्यक्ष, समस्त अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

03. उ.कु.स. परीक्षा / उ.कु.स. गोपनीय / विकास / उ.कु.स. सामान्य प्रशासन / वित्त नियंत्रक,

04. कुलपति के सचिव / कुलसचिव के निजी सहायक, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित ।

उप कुवासचिव (अका.)

D;/ shi 08/tikaram08/624





क्रमांक :

/ अका. / 2014 148

रायपुर, दिनांक : 🖒 /04/2014

।। अधिसूचना ।।

दानदाता— श्री रवि दुवे के द्वारा स्व. शकुन्तला देवी दुवे की स्मृति में, स्वर्ण पदक की स्थापना से संबंधित विनियम को, विश्वविद्यालय विद्यापरिषद् की स्थायी समिति की बैठक दिनांक 28.02.2014 एवं कार्यपरिषद की बैठक दिनांक 25.03.2014 में, अनुमोदित किया गया है। यह स्वर्ण पदक सत्र 2013-14 से विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित '*एम.ए. अंतिम छत्तीसगढ़ी'* परीक्षा में पं. रविशंकर शूक्ल विश्वविद्यालय अध्ययनशाला के पात्र अभ्यर्थी (महिला छात्र) को आगामी स्वर्ण पदक अलंकरण समारोह या दीक्षांत समारोह में प्रदान किया जाएगा। विनियम क्रमांक 154 की स्थापना निम्नानुसार की गई है-

> Regulation No. - 154 (E.C. Under 25-03-2014)

LATE. (Smt.) SHAKUNTALA DEVI DUBEY MEMORIAL GOLD MEDAL

Donor

Shri Ravi Dubey,

Kalptaru, Professor Colony, Kuber Vihar,

Sector-3, Gali No.-13, Raipur- 492010 Mob.No. - 9329107276

Value of Endowment

Rs. 50,000.00 (Rs. Fifty Thousand Only)

B.No./R.No. Gbk-301 Dated- 03-Feb.-2014

Award

One Gold Medal

- 1. The Endowment shall be called "Late. (Smt.) Shakuntala Devi Dubey Memorial Gold Medal" and it shall be inscribed on one side of the Medal.
- 2. The net income accruing from endowment every year shall be utilized for the award of Gold Medal at the annual convocation of the University to the Student who secures first position in merit list in 'M.A. (Final) Chhattisgarhi' female student of University Examination of School of studies of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, provided that the candidate has passed the examination in the first attempt.
- In the event of two or more examinees being eligible for the award under the provisions of 3. para-2, such an examinee who is younger or youngest in age, shall be awarded the medal.
- 4. The award of Gold Medal shall be effective from examination 2013-2014.

कार्यपरिषद् के आदेशानुसार,

पृ. क्रमांक : 🐧 🕰 🖊 / अका. / 2014

रायपुर, दिनांक : \ / /04/2014

प्रतिलिपि:

श्री रवि दुबे, कल्पतरू, प्रोफेसर कालोनी, कुबेर विहार, सेक्टर—3, गली नं.—13, रायपुर—492010 01

अध्यक्ष, समस्त अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) 02.

उ.कू.स. परीक्षा / उ.कू.स. गोपनीय / विकास / उ.कू.स. सामान्य प्रशासन / वित्त नियंत्रक, 03.

कुलपति के सचिव / कुलसचिव के निजी सहायक,

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेत् अग्रेषित ।





क्रमांक :

154 / अका. / 2014

रायपुर, दिनांकः 16 /04/2014

।। अधिसूचना ।।

विश्वविद्यालय विद्यापरिषद् की स्थायी समिति की बैठक दिनांक 22.03.2014 के विषय क्रमांक 10 में अनुशंसित एवं कार्यपरिषद् की बैठक दिनांक 25.03.2014 में, अनुमोदित विनियम निम्नांकित है:-

Regulation No. 155

(Management of the Teachers Benevolent Fund u/s 40(1) (c) of the Chhattisgarh Vishwavidhyalaya Adhiniyam 1973 and Ordinance-41)

- 1. **Objective:** To ensure proper management of the Teachers Benevolent Fund (TBF) in order to render financial assistance to financially hard-pressed teachers of the Pandit Ravishankar Shukla University (hereafter, PRSU) and members of their family.
- 2. **Scope:** The coverage of this regulation shall be limited to the University teachers and the teachers working in Colleges affiliated to the PRSU.
- 3. **Subscriber:** Unless otherwise specifically mentioned, the 'subscriber' means a teacher of the University Teaching Departments (UTD) or a teacher of any College affiliated to the PRSU.
- 4. **Teachers Benevolent Fund:** The total amount of money deducted at source from the remuneration payable to every Examiner/ Moderator/ Tabulator/ Collator/ Coordinator/ any Person appointed by the PRSU shall be called TBF amount and shall be kept in a single fixed deposit account (TDR) with the title, "**Teachers Benevolent Fund**" for an year in a Nationalized Bank. The tenure of the TDR will be extended further after its maturity and after adding the interest earned in the previous year to the principal amount. This process will be repeated in a cyclical manner.
- 5. Each year, in July and December a notification shall be made by the Finance Section of University inviting application from the subscriber seeking financial assistance from TBF mentioning the last date of submission of the application. Such notification shall be duly sent to each College and uploaded in the University website along with the format of the application.

- 6. Every year, after receiving applications (refer Section-5, above), the Registrar will convene the meeting of the Committee, constituted as per provisions mentioned u/s 4 of the Ordinance-41, within a week from the last date of submission of application (refer Section-5, above). The Committee shall investigate the merit of the application case by case and sanction the amount to the subscriber as per the provisions u/s 5, 6, and 7 of the Ordinance 41.
- 7. The account mentioned in the Section-4 (above) shall be exclusively operated by the Registrar only.

आदेशानुसार,

कुलसचिव

पृ.क्रमांक :

155 /अका./2014

रायपुर, दिनांकः 16 /04/2014

प्रतिलिपि:

1. माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय के प्रमुख सचिव, छत्तीसगढ़ राजभवन, रायपुर

2. आयुक्त, उच्च शिक्षा संचालनालय, शासकीय विज्ञान महाविद्यालय परिसर, रायपुर (छ.ग.)।

अध्यक्ष, समस्त अध्ययनशाला,

4. वित्त नियंत्रक / प्रभारी अंकेक्षण, पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर ।

7. संचालक, महाविद्यालय विकास परिषद / अधिष्ठाता, छात्र कल्याण / प्रभारी जनसंपर्क अधिकारी, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) ।

8. समस्त विभाग प्रमुख, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) ।

9. कुलपति के सचिव / कुलसचिव के निजी सहायक, पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर, को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित ।

उप कुलसचिव (अका.)

22





क्रमांक : 150

/अका./2014

रायपुर, दिनांकः 16 /04/2014

।। अधिसूचना ।।

विश्वविद्यालय विद्यापरिषद् की स्थायी समिति की बैठक दिनांक 22.03.2014 के विषय क्रमांक 10 में अनुशंसित एवं कार्यपरिषद् की बैठक दिनांक 25.03.2014 में, अनुमोदित विनियम निम्नांकित है:-

Regulation No. 156

(Management of the Kulapati Sahayata Nidhi u/s 40(1) (c) of the Chhattisgarh Vishwavidhyalaya Adhiniyam 1973)

- 1. **Objective:** To create and ensure proper management of the "*Kulapati Sahayata Nidhi*" in order to render financial assistance to needy Employee/Student of the Pt. Ravishankar Shukla University (hereafter, PRSU), Raipur, Chhattisgarh, in the event of death/ accident/ serious disease.
- 2. **Scope:** The scope of this regulation shall be limited to Employee/Student of the PRSU.
- 3. **Subscriber:** Unless otherwise specifically mentioned, the subscriber means an Employee/
 Student of the PRSU in the subsequent sections.
- 4. **Kulapati Sahayata Nidhi:** The "Kulapati Sahayata Nidhi" shall accumulate (a) amount collected from each examinee @ INR 10.00 appearing at each examination of the PRSU as contribution, and (b) any amount/ grant received from any other source for the purpose mentioned in Section-1 above.
- 5. The accumulated fund/amount collected as defined in Section-4 above, shall be kept in a fixed deposit account, titled "Kulapati Sahayata Nidhi," in any Nationalized Bank to be operated by the Registrar.
- 6. A management committee shall be constituted consisting of the following members:
 - a) The Kulapati Chairman
 - b) The Registrar Member Secretary
 - c) The Finance Controller Member
 - d) A representative among the teachers of the University nominated by the Kulapati Member
- 7. The tenure of the Committee constituted as per provision mentioned in Section-6 above shall be of three years.
- 8. The Committee so constituted shall meet as and when required and will consider merit of such case/s kept before it. The committee will have the power to recommend sanction of an amount to the maximum of INR 25000.00 or part thereof. The sanctioned amount shall be debited from the account of the "Kulapati Sahayata Nidhi."

- In the case of exigency, the Kulapati may directly grant such amount to any subscriber. Such action will be reported only to the Committee in its next meeting.
- 10. In any case the assistance from Kulapati Sahayata Nidhi will be given only to such subscriber, who is unable to obtain such assistance from any other source.

आदेशानुसार,

पु.क्रमांक :

/अका./2014

रायपुर, दिनांकः 16 /04/2014

प्रतिलिपि:

- माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय के प्रमुख सचिव, छत्तीसगढ़ राजभवन, रायपुर
- आयुक्त, उच्च शिक्षा संचालनालय, शासकीय विज्ञान महाविद्यालय परिसर, रायपुर (छ.ग.)। 2.
- अध्यक्ष, समस्त अध्ययनशाला,
- वित्त नियंत्रक / प्रभारी अंकेक्षण, पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपूर ।
- संचालक, महाविद्यालय विकास परिषद/ अधिष्ठाता, छात्र कल्याण/ प्रभारी जनसंपर्क अधिकारी, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) ।
- समस्त विभाग प्रमुख, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) ।
- कुलपति के सचिव/ कुलसचिव के निजी सहायक, पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपूर, को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतू अग्रेषित ।





क्रमांक :

160

/अका./2014

रायपुर, दिनांकः 17/04/2014

।। अधिसूचना ।।

विश्वविद्यालय विद्यापरिषद् की स्थायी समिति की बैठक दिनांक 22.03.2014 के विषय क्रमांक 10 में अनुशंसित एवं कार्यपरिषद् की बैठक दिनांक 25.03.2014 में, अनुमोदित विनियम निम्नांकित है:-

Regulation No. 157

(Management of the Provident Fund u/s 40 (1) (c) of the Chhattisgarh Vishwavidhyalaya Adhiniyam 1973 and u/s 4(i) of the Statute-26)

- Objective: To ensure proper management of the Provident Fund of the employees of the 1. Pandit Ravishankar Shukla University (hereafter, PRSU) in order to provide the maximum benefit in terms of the interest rate at par with the provisions of the C.G. Government of Chhattisgarh.
- 2. Scope: The scope of this regulation shall be limited to the employee of the PRSU.
- Subscriber: Unless otherwise specifically mentioned, the subscriber means university 3. employee in the subsequent sections.
- The total monthly provident fund (PF) amount deducted (as per the CG Government rule) 4. from the salary of all subscribers shall be kept in a single termed deposit receipt (TDR) on the 10th day of each month for a year, except of the month of March of the year, in a Nationalized Bank with the title Provident Fund. This implies that there will be 11 such TDRs in a year.
- The deductions of the PF of the month of March shall be kept in a separate bank account 5. in a nationalized bank and will be used for imparting loans to its subscriber.
- The interest earned on maturity of each TDR will be added to the principal amount and a 6. new TDR account will be opened on the 10th day of each month. This procedure will be repeated every month in the form of a cycle.
- A 'PF Investment Advisory Committee' will be constituted to oversee the investment 7. plans and issues pertaining to PF. The committee will consist of the following members:
 - a) The Kulapati Chairman
 - b) The Registrar – Member Secretary
 - c) The Finance Controller – Member
 - A representative among the teachers of the University to be nominated by the d) Kulapati – Member
 - An outside expert on finance to be nominated by the Kulapati Member e)

- 8. The Registrar shall invite quotation/tender from nationalized banks for maximum interest on short and long term deposits. The PF Investment Advisory Committee shall recommend, after scrutiny, for TDRs from the bank(s) providing maximum interest rate.
- 9. The TDR accounts mentioned in the Sections 4, 5, & 6 shall be exclusively operated by the Registrar only.
- 10. Every subscriber shall be provided with the statement of Provident Fund account duly prepared by the Salary Cell of the Finance section at the end of each financial year. Further, the statement of the subscriber's provident fund will be given for any length of time as per the demand of the subscriber.
- 11. The Provident Fund statement mentioned in Section 10, shall include PF amount earned till the last year, in the current year, the rate of interest earned, the advances taken and the schedule & amount of return of advances (if any).

आदेशानुसार,

कुलसचिव

पु.क्रमांक : 161

/अका./2014

रायपुर, दिनांकः 17 /04/2014

प्रतिलिपि:

- 1. माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय के प्रमुख सचिव, छत्तीसगढ़ राजभवन, रायपुर
- 2. आयुक्त, उच्च शिक्षा संचालनालय, शासकीय विज्ञान महाविद्यालय परिसर, रायपुर (छ.ग.)।
- अध्यक्ष, समस्त अध्ययनशाला,
- 4. वित्त नियंत्रक /प्रभारी अंकेक्षण, पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर ।
- संचालक, महाविद्यालय विकास परिषद/ अधिष्ठाता, छात्र कल्याण/ प्रभारी जनसंपर्क अधिकारी,
 पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) ।
- 8. समस्त विभाग प्रमुख, पं. रविशंकर शुक्त विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) ।
- 9. कुलपति के सचिव/ कुलसचिव के निजी सहायक, पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर, को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित ।

उप कुलसचिव (अका.)





क्रमांक :

160

/अ朝./2014

रायपुर, दिनांकः 17/04/2014

।। अधिसूचना ।।

विश्वविद्यालय विद्यापरिषद् की स्थायी समिति की बैटक दिनांक 22.03.2014 के विषय क्रमांक 10 में अनुशंसित एवं कार्यपरिषद् की बैटक दिनांक 25.03.2014 में, अनुमोदित विनियम निम्नांकित है:-

Regulation No. 157

(Management of the Provident Fund u/s 40 (1) (c) of the Chhattisgarh Vishwavidhyalaya Adhiniyam 1973 and u/s 4(i) of the Statute-26)

- 1. **Objective:** To ensure proper management of the Provident Fund of the employees of the Pandit Ravishankar Shukla University (hereafter, PRSU) in order to provide the maximum benefit in terms of the interest rate at par with the provisions of the C.G. Government of Chhattisgarh.
- 2. Scope: The scope of this regulation shall be limited to the employee of the PRSU.
- 3. **Subscriber:** Unless otherwise specifically mentioned, the subscriber means university employee in the subsequent sections.
- 4. The total monthly provident fund (PF) amount deducted (as per the CG Government rule) from the salary of all subscribers shall be kept in a single termed deposit receipt (TDR) on the 10th day of each month for a year, except of the month of March of the year, in a Nationalized Bank with the title **Provident Fund**. This implies that there will be 11 such TDRs in a year.
- 5. The deductions of the PF of the month of March shall be kept in a separate bank account in a nationalized bank and will be used for imparting loans to its subscriber.
- 6. The interest earned on maturity of each TDR will be added to the principal amount and a new TDR account will be opened on the 10th day of each month. This procedure will be repeated every month in the form of a cycle.
- 7. A 'PF Investment Advisory Committee' will be constituted to oversee the investment plans and issues pertaining to PF. The committee will consist of the following members:
 - a) The Kulapati Chairman
 - b) The Registrar Member Secretary
 - c) The Finance Controller Member
 - d) A representative among the teachers of the University to be nominated by the Kulapati Member
 - e) An outside expert on finance to be nominated by the Kulapati Member

Contd.

- The Régistrar shall invite quotation/tender from nationalized banks for maximum interest 8. on short and long term deposits. The PF Investment Advisory Committee shall recommend, after scrutiny, for TDRs from the bank(s) providing maximum interest rate.
- The TDR accounts mentioned in the Sections 4, 5, & 6 shall be exclusively operated by 9. the Registrar only.
- 10. Every subscriber shall be provided with the statement of Provident Fund account duly prepared by the Salary Cell of the Finance section at the end of each financial year. Further, the statement of the subscriber's provident fund will be given for any length of time as per the demand of the subscriber.
- The Provident Fund statement mentioned in Section 10, shall include PF amount earned 11. till the last year, in the current year, the rate of interest earned, the advances taken and the schedule & amount of return of advances (if any).

आदेशानुसार,

कुलसचिव

प्रक्रमांक :

161

/अका./2014

रायपुर, दिनांकः 17 /04/2014

प्रतिलिपि:

- माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय के प्रमुख सचिव, छत्तींसगढ़ राजभवन, रायपुर
- आयुक्त, उच्च शिक्षा संचालनालय, शासकीय विज्ञान महाविद्यालय परिसर, रायपुर (छ.ग.)।
- अध्यक्ष, समस्त अध्ययनशाला, 3.
- वित्त नियंत्रक / प्रभारी अंकेक्षण, पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर ।
- संचालक, महाविद्यालय विकास परिषद / अधिष्ठाता, छात्र कल्याण / प्रभारी जनसंपर्क अधिकारी, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) ।
- समस्त विभाग प्रमुख, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) ।
- कुलपति के सचिव / कुलसचिव के निजी सहायक, पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर, को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित ।





क्रमांक : ६६७ /अका./2014

रायपुर, दिनांक : 5 /07/2014

।। अधिसूचना ।।

दानदाता— डॉ. (श्रीमती) उषा दुबे के द्वारा स्व. पवन कुमार दुबे की स्मृति में, स्वर्ण पदक की स्थापना से संबंधित विनियम को, विश्वविद्यालय कार्यपरिषद् की बैठक दिनांक 23.06.2014 में अनुमोदित किया गया है। यह स्वर्ण पदक विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'एम.काम. अंतिम' परीक्षा के पात्र अभ्यर्थी को आगामी स्वर्ण पदक अलंकरण समारोह या दीक्षांत समारोह में प्रदान किया जाएगा। विनियम क्रमांक 158 की स्थापना निम्नानुसार की गई है—

Regulation No. - 158 (E.C. Under 23-06-2014)

LATE. SHRI PAWAN KUMAR DUBEY MEMORIAL GOLD MEDAL

Donor

Award

Dr. Usha Dubey,

B1/40, Lokmanya Samiti,

Rohini Puram,

Raipur

Mob.No. - 9826182799,

0771-2262436

Value of Endowment

Rs. 60,000.00 (Rs. Fifty Thousand Only) B.No./R.No. G1\711 Dated- 07-May-2014

- One Gold Medal

- The Endowment shall be called "Late. Shri Pawan Kumar Dubey Memorial Gold Medal" and it shall be inscribed on one side of the Medal.
- 2. The net income accruing from endowment every year shall be utilized for the award of Gold Medal at the annual convocation of the University to the Student who secures first position in merit list in **M.Com. Final** students of University Examination of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, provided that the candidate has passed the examination in the first attempt.
- 3. In the event of two or more examinees being eligible for the award under the provisions of para-2, such an examinee who is younger or youngest in age, shall be awarded the medal.
- 4. The award of Gold Medal shall be effective from examination 2012-2013.

कार्यपरिषद् के आदेशानुसार,

कुलसचिव

पृ. क्रमांक ः प्रतिलिपि ः *668* /अका./2014

रायपुर, दिनांक : 5 /07/2014

01 डॉ. (श्रीमती) उषा दुबे, (सेवानिवृत्त आचार्य एवं अध्यक्ष, अर्थशास्त्र अध्ययनशाला), बी 1/40, लोकमान्य समिति, रोहिणी पुरम, रायपुर

02. अध्यक्ष, समस्त अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

03. उ.कु.स. परीक्षा / उ.कु.स. गोपनीय / विकास / उ.कु.स. सामान्य प्रशासन / वित्त नियंत्रक,

04. कुलंपति के सचिव/कुलसचिव के निजी सहायक,

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित।

उप कुलसचिव (अका.)





दूरमाष : 0771-2262802 (अकादमिक), 0771-2262540 (कुलसचिव), E.mial.- academicprsu(a gmail.com

क्रमांक : ७०,13 / अका. / 2015

रायपूर, दिनांक : 1 🗘 🗘 0/03/2015

।। अधिसूचना ।।

दानदाता- श्री राकेश चन्द्राकर के द्वारा डॉ. खेतराम चन्द्राकर की रमृति में, स्वर्ण पदक की स्थापना से संबंधित विनियम को, विश्वविद्यालय कार्यपरिषद की बैठक दिनांक 02.02.2015 में, अनुमोदित किया गया है। यह स्वर्ण पदक सत्र 2013–14 से विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'एम.एस–सी. भौतिकी' परीक्षा के पात्र अभ्यर्थी को आगामी स्वर्ण पदक अलंकरण समारोह या दीक्षांत समारोह में प्रदान किया जाएगा। विनियम क्रमांक 159 की स्थापना निम्नानुसार की गई है-

> Regulation No. - 159 (E.C. Under 02-02-2015)

"Dr. KHETRAM CHANDRAKER MEMORIAL GOLD MEDAL"- KURUD

Donor

Award

Shri Rakesh Chandraker,

15 A Faulkner Close Milton,

Cambridge CB 24 6EF U.K. Email- rakeshchandraker@gmail.com

Rs. 50,000 + 10,000 = 60,000.00Value of Endowment

(Rs. Sixty Thousand Only)

No. Gbk-581 Dated- 24-Jan.-2015 (60000+60000= 1,20,000)

One Gold Medal

The Endowment shall be called "Dr. Khetram Chandraker Memorial Gold Medal" -1. Kurud and it shall be inscribed on one side of the Medal.

- 2. The net income accruing from endowment every year shall be utilized for the award of Gold Medal at the annual convocation of the University to the Student who secures highest percentage of marks in M.Sc. Physics Examination of the Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, provided that the candidate has passed the examination in the first attempt.
- In the event of two or more examinees being eligible for the award under the provisions of 3. para-2, one who is younger or youngest in age, shall be awarded gold medal.

The award of Gold Medal shall be effective from examination 2013-2014. 4.

कुलसचिव

पु. क्रमांक : 30 14 / अका. / 2015 प्रतिलिपि :

रायपुर, दिनांक : ्री 0/03/2015

Shri Rakesh Chandraker, 15 A Faulkner Close Milton, Cambridge CB 24 6EF U.K. 01

अध्यक्ष, समस्त अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) 02.

प्राचार्य, समस्त सम्बद्ध महाविद्यालय, 03.

समस्त विभाग प्रमुख, विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन, 04.

उ.कु.स. परीक्षा / उ.कु.स. गोपनीय / विकास / उ.कु.स. सामान्य प्रशासन / वित्त नियंत्रक, 05.

कुलपति के सचिव / कुलसचिव के निजी सहायक, 06.

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेत् अग्रेषित।



) $\sqrt{5}$

दूरमाष : 0771-2262802 (अकादिमक), 0771-2262540 (कुलसचिव), E.miaL-academicprsu@gmail.com

क्रमांक : 🗟 🔾 💵 / अका. / 2015

रायपुर, दिनांक : 1 🔿 /03/2015

।। अधिसूचना ।।

दानदाता— श्री राकेश चन्द्रांकर के द्वारा डॉ. खेतराम चन्द्रांकर की स्मृति में, स्वर्ण पदक की स्थापना से संबंधित विनियम को, विश्वविद्यालय कार्यपरिषद् की बैठक दिनांक 02.02.2015 में, अनुमोदित किया गया है। यह स्वर्ण पदक सत्र 2013—14 से विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'एम.एस—सी. रसायन' परीक्षा के पात्र अभ्यर्थी को आगामी स्वर्ण पदक अलंकरण समारोह या दीक्षांत समारोह में प्रदान किया जाएगा। विनियम क्रमांक 160 की स्थापना निम्नानुसार की गई है—

Regulation No. - 160 (E.C. Under 02-02-2015)

"Dr. KHETRAM CHANDRAKER MEMORIAL GOLD MEDAL"- KURUD

Donor

Shri Rakesh Chandraker,

15 A Faulkner Close Milton, Cambridge CB 24 6EF U.K.

Email- rakeshchandraker@gmail.com

Value of Endowment

Rs. 50,000 + 10,000 = 60,000.00 (Rs. Sixty Thousand Only)

No. Gbk-581 Dated- 24-Jan.-2015 (60000+60000= 1,20,000)

Award

One Gold Medal

- 1. The Endowment shall be called "Dr. Khetram Chandraker Memorial Gold Medal" Kurud and it shall be inscribed on one side of the Medal.
- The net income accruing from endowment every year shall be utilized for the award of Gold Medal at the annual convocation of the University to the Student who secures highest percentage of marks in *M.Sc. Chemistry* Examination of the Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, provided that the candidate has passed the examination in the first attempt.
- 3. In the event of two or more examinees being eligible for the award under the provisions of para-2, one who is younger or youngest in age, shall be awarded gold medal.
- 4. The award of Gold Medal shall be effective from examination 2013-2014.

कार्यपरिषद् के आदेशानुसार,

कुलसचिव

पृ. क्रमांक : 30 16 /अका./2015

रायपुर, दिनांक : 👤 🔿 /03/2015

प्रतिलिपि :

- O1 Shri Rakesh Chandraker, 15 A Faulkner Close Milton, Cambridge CB 24 6EF U.K.
- 02. अध्यक्ष, समस्त अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)
- 03. प्राचार्य, समस्त सम्बद्ध महाविद्यालय,
- 04. समस्त विभाग प्रमुख, विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन,
- 05. उ.कु.स. परीक्षा / उ.कु.स. गोपनीय / विकास / उ.कु.स. सामान्य प्रशासन / वित्त नियंत्रक,

06. कुलपित के सचिव / कुलसचिव के निजी सहायक,

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित।

उप कुलसचिव (अका.)



दूरभाष : 0771–2262802 (अकादमिक विभाग), 0771–2262540 (कुलसचिव कार्यालय), ई–मेल <u>academicprsu3@gmail.com</u>

क्रमांक : 4827/अका./2024

रायपुर, दिनांक : 🗷 🛭 /11/2024

।। अधिसूचना ।।

विद्यापरिषद् की स्थायी समिति की बैठक दिनांक 22.10.2024 में विषय सूची के निर्णय क्रमांक 05 में संशोधित विनियम क्रमांक—161 Regulations For The Degree of Bachelor of Vocation Programme की अनुशंसा का कार्यपरिषद् की बैठक दिनांक 23.10.2024 में पूरक विषय सूची निर्णय क्रमांक 01 में अनुमोदित किया गया है, जो निम्नांकित है—

REGULATION NO. 161 (Re-revised)

REGULATIONS FOR THE DEGREE OF BACHELOR OF VOCATION PROGRAMME OF PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY, RAIPUR

1. INTRODUCTION

Regulations for providing Skill Based Education under National Skills Qualifications Framework for Bachelor of Vocation (B.Voc) Programme in Renewable Energy Technology & Management (RETM) under Faculty of Science at Pt. Ravishankar Shukla University Raipur. This regulation will supersede Regulation 161 of the University.

2. PREAMBLE

The University Grants Commission (UGC) has launched a scheme on skills development based higher education as part of university education, leading to Bachelor of Vocation (B.Voc.) degree with multiple exits such as Diploma / Advanced Diploma under the NSQF. The B.Voc. programme is focused on universities and colleges providing undergraduate studies which would also incorporate specific job roles and their NOSs along with broad based general education. This would enable the graduates completing B.Voc. to make a meaningful participation in accelerating India's economy by gaining appropriate employment, becoming entrepreneurs and creating appropriate knowledge.

3. PROGRAMME OBJECTIVES

The B. Voc. courses are designed with the following objectives:

- (a) To provide judicious mix of skills relating to a profession and appropriate content of G eneral Education.
- (b) To ensure that the students have adequate knowledge and skills, so that they are work ready at each exit point of the programme.
- (c) To provide flexibility to the students by means of predefined entry and multiple exit points.
- (d) To integrate NSQF within the undergraduate level of higher education in order to enh ance employability of the graduates and meet industry requirements.
- (e) To provide vertical mobility to students coming out of 10+2 with vocational subjects.

4. NATIONAL SKILLS QUALIFICATIONS FRAMEWORK

The National Skills Qualifications Framework (NSQF) is a competency-based framework that organizes qualifications according to a series of knowledge, skills and

Page **1** of **11**



aptitude. The NSQF levels, graded from one to ten, are defined in terms of learning outcomes which the learner must possess regardless of whether they are obtained through formal, non-formal or informal learning. National Occupational Standards (NOS) are statements of the skills, knowledge and understanding needed for effective performance in a job role and are expressed as outcomes of competent performance. The NOSs and QPs for each job role corresponding to each level of the NSQF are being formulated by the respective Sector Skill Councils (SSCs) set up by National Skill Development Corporation (NSDC) with industry leadership. The curriculum which is based on NOSs and Qualification Pack (QPs) would comply with NSQF.

5. B.VOC. ADVISORY COMMITTEE

A University level committee set-up for effective governance and coordination of the courses under the B.Voc. Scheme. Monitoring, Evaluation & Updating of the curriculum needs to be done periodically in consultation with industry keeping in view of their requirements & changes in NOSs. The University must incorporate this as a continuous & dynamic process in-built in their system through an advisory committee for vocational Course. At the **university level**, the conduct of such programmes shall be monitored by an Advisory Committee that shall be constituted as under:

S.NO.	ADVISORY COMMITTEE	POSITION
1.	Vice Chancellor or his Nominee	Chairperson
2.	One Academician in the relevant field nominated by the Vice Chancellor Member	
3.	Representative(s) of relevant Sector Skill Council	Member
4.	Representative of industries relevant to specialization	Member
5.	Representative(s) of the affiliating university	Member
6.	Director/Nodal Officer of the respective B.Voc. Programme	Member- Secretary

6. CONDITIONS FOR ADMISSIONS

(a) Eligibility

- i. The admission to B.Voc. programme will be as per the rules and regulations of the University for Admissions. The eligibility criteria for admission to this B.Voc. programme shall be 10+2 from a recognized board.
- ii. The reservation of seats shall be as per Chhattisgarh Government Notification issued from time to time and as per the rules of the Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur
- iii. The eligibility criteria for admission shall be as announced by the University from time to time. Other conditions will be as laid down in admission policy in prospectus of the University.
- iv. There shall be no age bar for admission in the skill-based certificate /diploma/degree programmes under NSQF.
- v. While deciding criteria for admission into any particular trade, the University will consider students having background in relevant stream at 10+2 level.

July 1

Page 2 of 11

(b) Admission

- i. For admission to B.Voc. Semester-I, a candidate must have to successfully complete the +2 level of schooling or its equivalent in relevant stream from a recognized Board/ University/NOS and should secure credentials or qualified through the University **Entrance Examination** /Examination consisting of Aptitude Test/Group Discussion/Personal Interview or through Counseling by the University/College.
- ii. There may be three types of candidates who can be given admission to first semester of skill-based courses under NSQF:
 - **Category 1**: students already acquired NSQF certification Level 4 in a particular industry sector and opted admission in the skill based courses under NSQF in the institutions recognized under Community Colleges / B.Voc Degree programme / Deen Dayal Upadhyay KAUSHAL Kendras in same trade with job role for which he /she was previously certified at school level.
 - **Category 2**: students who have acquired NSQF certification Level 4 but may like to change their trade and may enter into skill-based courses in a different trade.
 - Category -3: students passed 10+2 examination with conventional schooling without any background of vocational training.
- iii. **Admission to Diploma Holders:** Diploma holders (after 10+2) in the parent course, approved by the University, who satisfy eligibility criteria can be admitted to the Advance Diploma (3rd semester) based on the availability of the seats and shall be under the solediscretion of the Vice Chancellor of the University College/B. Voc. Consortium.
- iv. The students can be admitted only to the first semester (except for diploma holders). No student shall be admitted directly to third and fifth semester in any circumstance except for diploma holders. Diploma holder may be admitted directly to third semester (but not to 5th Semester directly) as mentioned above. In any circumstance there shall be no direct admission to fifth semester.
- v. In case where number of available seats is less and candidates secure same marks (percent) at the qualifying level examination, the admission of the candidate will be based upon securing higher marks in High School or equivalent examination.
- vi. In case of any matter relating to the Under-Graduate admissions, the decision of the Admission Committee/Vice-Chancellor, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur shall be final.

7. DURATION OF THE PROGRAMME

- (a) A student is normally expected to complete the Certificate/Diploma/Advance Diploma/B.Voc Programme in Six months/1 Year/2 year/3 year respectively but a student has to complete the entire programme ordinarily within a maximum period of 1 year, 2 years, 4 years and 6 years for Certificate, Diploma, Advance Diploma and B. Voc. degree, respectively from the session of first admission.
- **8. MEDIUM OF INSTRUCTION:** The medium of instruction and examination shall be English and Hindi.

9. LEVELS OF AWARDS

B.Voc. is programme with multiple exits. Students may exit after six months with certificate (NSQF Level 4) or may continue for diploma or advance diploma level courses.

I. Following table shows the various certificates and their duration.

(A)

Page 3 of 11

NSQF LEVEL	SKILL COMPONENT CREDITS	GENERAL EDUCATION CREDITS	TOTAL CREDITS FOR AWARD	NORMAL DURATION	EXIT POINT / AWARDS
4	18	12	30	One Semester	Certificate
5	36	24	60	Two Semester	Diploma
6	72	48	120	Four Semester	Advanced Diploma
7	108	72	180	Six Semester	B.Voc. Degree

II. The Curriculum shall be approved by the Board of Studies (BoS) and Academic Council of the University. The Universities where BoS for Vocational subjects has not yet been constituted, the curriculum may be considered by the BoS in allied subject area or an ad-hoc BoS may be constituted till the time regular BoS is notified in the university. The BoS should consider the programme-wise curriculum based QP for skill component and relevant general education subjects i.e. the curricula for programmes in one broad subject area may vary from institution to institution in case the different progressive QPs are mapped with the programmes being offered. The choice of different progressive job roles for a course may also be enabled under CBCS.

10. ELIGIBILITY OF DEGREE:

The duration of the B.Voc. course in Renewable Energy Technology & Management under faculty of Science will be six semesters in three Academic Sessions as per Academic Calendar of the University. This course has a provision for multi-point exit system. The certification will lead to Certificate (After Six months)/ Diploma (After I Year)/Advanced Diploma (After II year)/ B.Voc (Degree) (After III Year)/ in the specialization of Vocational Area.

11. BOARD OF STUDIES & COURSE STRUCTURE

- (a) The University will constitute appropriate BoS / adhoc BoS for the courses to consider and approve the course of study / curriculum prepared by the institution in consultation with the Sector Skill Councils and relevant industry partners. The industry representatives and Sector Skill Councils representatives should be an integral part of the academic bodies of the university/colleges.
- **(b)** Separate BOS will be constituted, with the provision of a member from industry/SSC/ Professor of each sector will be attached to the Board of studies of the parent subject as suggested by UGC. The skill component will be decided with the help of concerned Sector Skills Councils. The BOS shall be responsible for reviewing and approving the syllabus and provide suggestions in curriculum.
- (c) For the skill component, the model curriculum developed by the concerned Sector Skill Councils, wherever available, may be adopted or adapted in consultation with the industry partners. Wherever the curriculum is not available, the same may be developed in consultation with the relevant Sector Skill Councils and industry partners. While doing so, the institutions may work towards aligning the curriculum with the National Occupational Standards being developed by the respective/allied Sector Skill Councils. This would promote national and global mobility of the learners, as well as higher acceptability by the industry for employment purposes.



- (d) The practical / hands-on portion of the skills component of the curriculum shall be transacted in face to face mode. The skill component of the programmes will conform to the QPs/NOSs
- (e) The general education component should adhere to the university / collegiate education norms and shall be decided by the concerned Board of Studies. It should lay emphasis on offering courses which provide holistic development.
- (f) Course Code: Each Course shall have a unique alphanumeric code number, which includes the abbreviation of subject component (GEC for General education component and SDC for Skill Development Component), the Semester number (1 to 6) in which the course is offered, abbreviation for subject and serial number of the courses.
- (g) The Curriculum shall be approved by the Board of Studies (BoS) and Academic Council of the University. The Universities where BoS for Vocational subjects has not yet been constituted, the curriculum may be considered by the BoS in allied subject area or an ad-hoc BoS may be constituted till the time regular BoS is notified in the university. The BoS should consider the programme-wise curriculum based QP for skill component and relevant general education.
- (h) The curriculum in each of the semester/years of the programme(s) will be a suitable mix of general education and skill development components. Skill component of the courses shall have a minimum of 60% of the total credits and it can go upto a maximum of 70% of the total credits, and the balanced credits shall be of general education component.

12. REGISTRATION/RE-REGISTRATION

Every candidate should register for all subjects of the Semester End examinations of each semester. A candidate who does not register will not be permitted to attend the Semester - End examinations; He / she shall not be permitted to attend the next semester. A candidate shall be eligible to register for any higher semester, if he/she has satisfactorily completed the course of study and registered for the examination. He/she should register for the semester at the start of the semester before the stipulated date. University will notify the starting and closing dates for each semester.

13. **GENERAL INSTRUCTIONS**:

- i. The admission to the B.Voc Courses shall be governed in accordance and provisions with the Rules/ Directives of UGC/relevant Regulatory Body or any other competent Authority of the Govt. of India/ State Government as amended time to time.
- ii. B.Voc degree is recognized at par with other U.G Programme approved by the Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur
- iii. The relaxation in eligibility conditions, age and reservation etc. shall be in accordance with the Rules/ Directives of UGC/relevant Regulatory Body or any other competent Authority of the Govt. of India/ State Government as amended time to time and with the approval of Vice Chancellor.
- iv. Mobility of Credits earned by the students from GIAN (Global Initiative of Academic Networks) courses/ MOOCs (Massive Open Online Courses)/ SWAYAM (Study Webs of Active Learning for Young Aspiring Minds)/ Swachh Bharat Internship Programme/ etc. shall be credited in accordance with the provisions made under the respective schemes, as amended from time to time;

(A)

Page **5** of **11**

subject to compatibility of course content & assessment process with the prior approval of the Board of Studies/School Board of the concerned department.

v. For matters not covered in this specific regulation, General rules and regulations of Pt Ravishankar Shukla University, Raipur, regarding specific courses shall be applicable.

In other matters Vice Chancellor of Pt Ravishankar Shukla University, Raipur shall be competent to take any decision which shall be final.

14. ATTENDANCE

Ordinarily, a minimum of 75 % attendance is a must for any candidate to qualify for the end semester examinations. However, on genuine grounds to be duly supported by documentary evidences, the Vice-Chancellor may condone a maximum of 5% the stipulated attendance if they deem it fit and reasonable to do so in their wisdom.

15. ASSESSMENT OF STUDENTS

Assessment of students for each subject will be done by internal continuous assessment and Semester End examinations. This dual mode assessment will be applicable to both Theory and Practical courses except for internship and project. Total marks in theory course reflect 70 marks external and 30 marks internal assessments. The mark division for practical courses is 70 marks external and 30 marks internal. For internship and project, there is no internal assessment.

(a) Internal

Internal assessment shall be conducted throughout the semester. It shall be based on internal examinations, assignments (such as homework, problem solving, group discussions, quiz, literature survey, seminar, team project, software exercises, etc.) as decided by the faculty handling the course, and regularity in the class. Assignments of every semester shall preferably be submitted in Assignment Book, which is a bound book similar to laboratory record.

The mark distribution to award internal continuous assessment marks for theory s ubject should be as follows:

ASSESSMENT	MARKS
Test papers (minimum two, best two out of three is preferred)	10
Assignments (minimum two) such as home work, problem solving, group discussions, quiz, literature survey, seminar, term project etc.	15
Regularity(Attendance) in the class	5

The mark distribution to award internal continuous assessment marks for practical subject should be as follows:

ASSESSMENT TYPE	MARKS
Evaluation in the lab of skill/performance	30
[Practical record files = 20 Marks & Regularity(Attendance) =	10 Marks]

Y-

- i. No candidate will be permitted to attend the end semester practical examination unless he/she produces certified record of the laboratory.
- ii. Full credit for regularity in the class can be given only if the candidate has secured minimum 85% attendance in the subject. Attendance evaluation for each course is as follows:

ATTENDANCE	MARKS
85% and Above	5
80 to 84.99%	4
75 to 79.99%	3
70 to 74.99%	2
65 to 69.99 %	1

(b) External

Semester end examinations for theory and practical courses will be conducted by the University. There shall be University examinations at the end of each semester for both theory and practical. Failed or ATKT candidates will have to appear for the Semester-End examinations along with regular students.

16. Assessment of Skill Component

The Skill component of the course will be generally assessed by the respective Sector Skill Councils or the experts/ Industry partners appointed by University. In case, there is no Sector Skill Council for a specific trade, the assessment may be done by an allied Sector Council or the Industry partner. Further if Sector Skill Council in concerned / relevant trade has no approved QP which can be mapped progressively or due to any other reason, if the SSC expresses its inability to conduct the assessment or cannot conduct the skill assessment in stipulated time frames as per academic calendar, the institutions may conduct skill assessment through a **Skill Assessment Board** by 'Certified Assessors' as per the provisions enumerated in MHRD Skill Assessment Matrix for Vocational Advancement of Youth (SAMVAY).

17. Internship and Project

A project shall be an integral part of the B. Voc. Programme and shall have to undertaken by each student in the sixth semester of the programme. Internship and the major project should be carried out in the industry. The report of the project shall have to be submitted to the Department in duplicate before the completion of the sixth semester The Evaluation process follows 100% external assessment.

- i. There will be Workshop practices-I/minor project at the end of 4th semesters and Workshop Practices-II at the end of 5th Semester and major project/internship/Industrial Training for the whole sixth semester. The students should be encouraged for summer internship.
- ii. Every student will be assigned an internal guide, allotted from the parent department concerned or an expert available in the University appointed by the Director, Skill Development Center or Course Coordinator.
- iii. An evaluation team is to be constituted for conducting the evaluation. The team consists of external examiner, allotted by the university from the approved



examination panel, representative from the industry and a faculty or with the help of Sector Skill Council.

iv. Mark distribution for Project/internship assessment.

DISTRIBUTION OF MARKS	MARKS %
Content and relevance of Dissertation	60%
Viva	20 %
Presentation	20%

18. CREDIT SYSTEM

- (a) Each subject shall have a certain number of credits assigned to it depending upon the academic load and the nature and importance of the subject. The credit associated with each subject will be shown in the prescribed scheme and syllabi.
- (b) Each course shall have an integer number of credits, which reflects its weightage.
- (c) One Credit would mean equivalent of 15 periods of 60 minutes each, for theory, workshops/IT and tutorials.
- (d) For internship/field work, the credit weightage for equivalent hours shall be 50% of that for lectures/workshops.
- (e) Each course is evaluated by assigning marks with a letter grade that course by the method of indirect grading as per ordinance/regulations of University.
- (f) Appearance for Internal Assessment and End Semester Evaluation are compulsory and no grade shall be awarded to a candidate if she/he is absent for Internal Assessment / End Semester Evaluation or both.
- (g) A student obtaining Grade F shall be considered failed and will be required to reappear in the examination.
- (h) **Computation of SGPA and CGPA:** The CGPA and SGPA will be computed as per the provisions of revised Regulation 149 and revised Ordinance 170 of the University.

19. LEARNING HOURS

Learning hours/ credit allocation needed for completion shall be as per NSQF as given in table:

QUALIFICATION	EQUIVALENCE	SKILL CERTIFICATION LEVEL	COMPETENCY BASED VOCATIONAL SKILL BUILDING (IN HRS) APPROX*	GENERAL LEARNING (IN HRS) APPROX.*	TOTAL HRS
Year 1	Diploma	5	550	450	1000
Year 2	Advance Diploma	6	600	400	1000
Year 3	B.Voc.	7	750	250	1000

^{* +/- 50} flexibility on the suggested numbers of hrs.

20. RULES AND REGULATIONS FOR EXAMINATION

(a) There shall be examination at the end of each semester as per scheme of examination and each student shall have to appear in all theory papers (Modules) and practical examinations/ workshop practices, industrial training and project work, if applicable as prescribed in the syllabi.

9

- (b) Each semester, the maximum marks will be 1000 or as decided by respective BOS.
 - i. For Certificate in respective trade total marks will be 1000.
 - ii. For Diploma in respective trade, the maximum total marks will be 2000.
 - iii. For Advance Diploma in respective trade, the maximum total marks will be 4000.
 - iv. For B Voc in respective trade, the maximum total marks will be 6000.

21. PASSING CRITERIA AND REAPPEARANCE OF A CANDIDATE

- (a) Every candidate thus admitted shall pursue regularly the prescribed courses in each semester successively. The degree/diploma shall be awarded to those candidates who have obtained at least 36 % marks in cumulative aggregate in theory and practical courses separately and a minimum of 20% qualifying marks in each theory course ,40% in Practical course and a minimum of 50% qualifying marks in the Project/internship.
- (b) Candidates failing to appear or securing less than 36% aggregate or obtaining less than 20% marks in any of the theory course of semester examinations shall be allowed to pursue the courses for the next following semester as per **Allowed to Keep Terms (ATKT) provisions** and to appear at the examination simultaneously in the course for that semester and any course of the previous semester, which he/she has not cleared. Failure in all the theory papers shall have to re-appear in the same papers. A.T.K.T. provision shall be in not more than four courses of one semester & maximum three attempts only i.e. (1 main + 2 A.T.K.T.). The minimum marks required to pass the sixth semester shall be 50 % in project. Failure to secure 36% aggregate or to obtain qualifying marks of 20% in each theory course in two successive semester examinations, in addition to main examination, shall if so facto disqualify a candidate for admission to the next higher semester or for reexamination.
- (c) However, a candidate who secured the minimum marks to pass in each paper but has not secured the minimum marks to pass in aggregate will reappear in any two of the theory papers of his/her choice in the concerned semester in order to secure the minimum marks prescribed to pass the semester in aggregate.
- (d) The candidate shall appear only in the theory part and his/her previous marks in practical/ project/ dissertation will be carried forward and accounted for if/she has already cleared the practical/ project/ dissertation.
- (e) For Project/internship, the minimum for a pass shall be 50% of the total marks assigned to the respective examination. A student who does not secure this pass marks in a subject will have to repeat the respective subject. The result of the candidate shall be declared on the basis of performance in the semester examination. The conversion of raw scores into absolute grades shall be done as per the rules of the Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur.
- (f) **Allowed to Keep Terms (ATKT):** The examination of ATKT candidates will conducted as per the provisions of revised Regulation 149 of PRSU.

22. INCLUSION OF GRADE & CREDIT POINTS IN THE MARK SHEET OF STUDENTS

- (a) The grace marks, if eligible, will be awarded prior to the application of credit points and "description" modified manually.
- (b) A student has to earn minimum number of prescribed credits in each Semester in their respective subject.
- (c) An overall letter grade (Cumulative Grade) for the entire programme shall be awarded to a student depending on her/his CGPA. The student shall be declared

Ø _

successful and will be awarded CGPA/Division through conversion of Percentage of Marks to Grade Point in 10 Point Scale in the following manner.

PERCENTAGE OF MARKS	GRADE POINT	Letter Grade	DESCRIPTION
90 and above	10	0	First/Outstanding
80-89	9	A +	First/Excellent
70-79	8	A	First/Very Good
60-69	7	B+	First/Good
50-59	6	В	Second/Fair
40-49	5	C+	Second/Average
30-39	4	С	Third/Average
20-29	3	P	Third/Pass
Below 20	0	F	FAIL/Grace

Note:

- 1) In Practical courses, if marks obtained is below 40% then description will be "FAIL".
- 2) In Project/Internship, if marks obtained is below 50% then description will be "FAIL".
- 3) One "01" Grace Mark could be given but it will not be added to the total. However, the condition will be elevated to the category of corresponding grade point.
- (d) The provision of revaluation will not be available; however, a student may apply for retotaling.
- (e) A student who has been admitted to any semester but fails to fill up examination form or debarred to take examination due to short attendance or any other appropriate reason then he/she shall have to appear at that examination in the following semester.
- (f.) The CGPA/SGPA calculation and other matter not covered in his regulation shall be governed by the relevant Ordinance and other provisions of the University.

23. DIVISION ALLOCATION

The division for Degree of Bachelor of Vocation in RETM under faculty of Science shall be awarded after VI semester examination and shall be based on the aggregate marks obtained by the candidates at his/her successful attempts at the I, II, III, IV, V, VI semester examination i.e. full examination of B. Voc. However, the division from direct entry to second year shall be based on the aggregate marks obtained by the candidates at his/her successful attempt at III, IV, V, VI semester examination.

There shall be only three divisions as follows:

• An aggregate of 75% or above - I Division with Distinction

• An aggregate of 60% or above - I Division

An aggregate of 45% or above - II Division

• An aggregate of 40 % or above - III Division

W.

Page **10** of **11**

24. TRANSITORY PROVISION

Notwithstanding anything contained in these regulations, the Vice-Chancellor has the power to provide by order that these regulations shall be applied to any program with necessary modification.

आदेशानुसार,

कुलसचिव

पृ. क्रमांक : U828/34a51./2024

रायपुर, दिनांक : 🔗 /11/2024

प्रतिलिपि:-

- 01. माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय के अवर सचिव, छत्तीसगढ़ राजभवन, रायपुर
- 02. सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, अटल नगर, नवा रायपुर
- 03. सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, वित्त विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, अटल नगर, नवा रायपुर
- 04. आयुक्त, उच्च शिक्षा, ब्लॉक-सी-3, द्वितीय एवं तृतीय तल, इन्द्रावती भवन, अटल नगर, नवा रायपुर
- 05. अध्यक्ष, समस्त अध्ययनशाला / प्राचार्य, संबद्ध समस्त महाविद्यालय,
- 06. समस्त विभागीय अधिकारी,
- 07. कुलपति के सचिव / कुलसचिव के निजी सहायक,पं. रिवशंकर शुक्ल विश्वविद्याालय, रायपुर को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित।

उप-कुलसचिव (अका.)



दूरमाष : 0771—2262802 (अकादमिक), 0771—2262540 (कुलसचिव), फैक्स—0771—2262818, 2262607



क्रमांक:

3991

/अका./2015

रायपुर, दिनांकः

01/07/2015

// अधिसूचना //

विद्या संबंधी योजना एवं मूल्यांकन बोर्ड की बैठक दिनांक 03.07.2014 में इंजीनियरिंग स्नातक छात्रों को एम.एस-सी. गणित में प्रवेश हेतु Bridge Course के माध्यम से एम.एस-सी. गणित में प्रवेश संबंधी प्रस्ताव का अनुमोदन किया, जिसे कार्यपरिषद् की बैठक दिनांक 18.07.2014 में विषय क्रमांक 3 पर अनुमोदित है। विनियम (Regulation) निम्नांकित है:-

Regulation No. - 162 Bridge Course for M.Sc. Mathematics

[E.C.-18-07-21014]

- 1. **Objective:** The objective of this regulation is to provide opportunity through the bridge course to the Engineering graduate students for pursuing master's degree course in Mathematics of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur.
- 2. **Scope:** The scope of this regulation shall be limited to the MA/MSc courses in mathematics subject run by the Pt. Ravishankar Shukla University only.
- 3. **Eligibility:** Only those candidates shall be eligible to appear in this bridge course who has obtained B.E./B.Tech. in any discipline of Engineering.
- 4. **Examination:** University will conduct a written examination in the University Campus based upon the syllabus approved by Board of Studies in mathematics.
- 5. **Success:** A candidate will be declared successful in the said written examination by the University if he/she obtains minimum 36% marks or above in aggregate.
- 6. **Certificate:** University will issue a certificate to the candidate who will be declared successful in the said above examination mentioning his/her success in the said examination with year and declare him/her eligible for applying for admission/appearing in examination of M.Sc. course in Mathematics subject run by any College affiliated to the University.

कुलसचिव

D:\back\shital\T R Sahu\T.R.Sahu General letter 22 docx-938

पृ. क्रमांकः **3.9.9.2** /अका./2015

रायपुर, दिनांकः

01/07/2015

प्रतिलिपि :

- 1. सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय, महनदी भवन, नया रायपुर
- 2. आयुक्त, उच्च शिक्षा, ब्लॉक-सी-30, द्वितीय एवं तृतीय तल, इन्द्रावती भवन, नया रायपुर
- 3. प्राचार्य, समस्त सम्बद्ध महाविद्यालय,
- 4. अध्यक्ष, समस्त अध्ययनशाला,
- 5. समस्त विभागीय अधिकारी,
- 6. कुलपति के सचिव/कुलसचिव के निजी सहायक, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित।

उप कुलसचिव (अका.)



दूरनाव : 0771—2282802 (अकादमिक), 0771—2282540 (कुलसचिव), E.mial-academicprsu@gmail.com



कमांक 4424 अका. / 2015

रायपुर, दिनांक : 12 /08/2015

🛘 अधिसूचना 📙

दानदाता— डॉ. रोहिणी प्रसाद आचार्य, अर्थशास्त्र अ.शा., पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के द्वारा अपने स्वर्गीय पुत्र श्री अभिलेष प्रसाद की स्मृति में, स्वर्ण पदक की स्थापना से संबंधित विनियम को, विश्वविद्यालय कार्यपरिषद् की बैठक दिनांक 30.07.2015 में, अनुमोदित किया गया है। यह स्वर्ण पदक सत्र 2014—15 से विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'एम. ए. — अर्थशास्त्र (सेमेस्टर)' परीक्षा के पात्र अभ्यर्थी को आगामी स्वर्ण पदक अलंकरण समारोह या दीक्षांत समारोह में प्रदान किया जाएगा। विनियम क्रमांक 163 की स्थापना निम्नानुसार की गई है—

Regulation No. - 163 (E.C. Under37-7 -2015) "LATE. SHRI ABHILESH PRASAD MEMORIAL GOLD MEDAL"

Donor

Dr. Rohini Prasad,

Professor, School of Studies in Economics,

Pt. R.S.U. Raipur (C.G.)

Email- drprasad_16@yahoo.co.in

Value of Endowment

Rs. 60,000.00

(Rs. Sixty Thousand Only)

No. G4/5599 Dated- 27-Jul.-2015

Award

One Gold Medal

- The Endowment shall be called "LATE. SHRI ABHILESH PRASAD MEMORIAL GOLD MEDAL" and it shall be inscribed on one side of the Medal.
- The net income accruing from endowment every year shall be utilized for the award of Gold Medal at the annual convocation of the University to the Student who secures highest percentage of marks in M.A. Economics (Semester System) Examination of the Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, provided that the candidate has passed the examination in the first attempt.
- 3. In the event of two or more examinees being eligible for the award under the provisions of para-2, one who is younger or youngest in age, shall be awarded gold medal.

4. The award of Gold Medal shall be effective from examination 2014-2015.

कार्यपरिषद् के आदेशानुसार,

20

पृ. क्रमांक **4-42**5/अका./2015

रायपुर, दिनांक :12 /08/2015

- 01 डॉ. रोहिणी प्रसाद आचार्य, अर्थशास्त्र अ.शा., पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर.
- 02. अध्यक्ष, समस्त अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

03. प्राचार्य, समस्त सम्बद्ध महाविद्यालय,

04. समस्त विभाग प्रमुख, विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन,

05. उ.कु.स. परीक्षा / उ.कु.स. गोपनीय / विकास / उ.कु.स. सामान्य प्रशासन / वित्त नियंत्रक,

06. कुलपति के सचिव/कुलसचिव के निजी सहायक, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित।

उप कुलसचिव (अका.)

Disback\shital\T R Sahu\TR General letter.doc





वूरमाष : 0771-2262802 (ज्ञकादमिक), 0771-2262540 (कुलसचिष), E.mial-academicprsu@gmail.com

क्रमांक 4424 अका. / 2015

रायपुर, दिनांक : 1 /2 /08/2015

।। अधिसूचना ।।

दानदाता— डॉ. रोहिणी प्रसाद आचार्य, अर्थशास्त्र अ.शा., पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के द्वारा अपने स्वर्गीय पुत्र श्री अभिलेष प्रसाद की स्मृति में, स्वर्ण पदक की स्थापना से संबंधित विनियम को, विश्वविद्यालय कार्यपरिषद् की बैठक दिनांक 30.07.2015 में, अनुमोदित किया गया है। यह स्वर्ण पदक सत्र 2014—15 से विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'एम. ए. — अर्थशास्त्र (सेमेस्टर)' परीक्षा के पात्र अभ्यर्थी को आगामी स्वर्ण पदक अलंकरण समारोह या दीक्षांत समारोह में प्रदान किया जाएगा। विनियम क्रमांक 163 की स्थापना निम्नानुसार की गई है—

Regulation No. - 163
(E.C. Under3#-7 -2015)
"LATE. SHRI ABHILESH PRASAD MEMORIAL GOLD MEDAL"

Donor

Dr. Rohini Prasad,

Professor, School of Studies in Economics,

Pt. R.S.U. Raipur (C.G.)

Email- drprasad_16@yahoo.co.in

Value of Endowment

Rs. 60,000.00

(Rs. Sixty Thousand Only)

No. G4/5599 Dated- 27-Jul.-2015

Award

One Gold Medal

- 1. The Endowment shall be called "LATE. SHRI ABHILESH PRASAD MEMORIAL GOLD MEDAL" and it shall be inscribed on one side of the Medal.
- The net income accruing from endowment every year shall be utilized for the award of Gold Medal at the annual convocation of the University to the Student who secures highest percentage of marks in M.A. Economics (Semester System) Examination of the Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, provided that the candidate has passed the examination in the first attempt.
- In the event of two or more examinees being eligible for the award under the provisions of para-2, one who is younger or youngest in age, shall be awarded gold medal.
- The award of Gold Medal shall be effective from examination 2014-2015.

कार्यपरिषद् के आदेशानुसार,

Q C

पृ. क्रमांक **442**5/अका / 2015 प्रतिलिपि :

रायपुर, दिनांक :12 /08/2015

- 01 डॉ. रोहिणी प्रसाद आचार्य, अर्थशास्त्र अ.शा., पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर.
- 02. अध्यक्ष, समस्त अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

03. प्राचार्य, समस्त सम्बद्ध महाविद्यालय,

04. समस्त विभाग प्रमुख, विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन,

05. उ.कु.स. परीक्षा / उ.कु.स. गोपनीय / विकास / उ.कु.स. सामान्य प्रशासन / वित्त नियंत्रक,

06. कुलपित के सचिव / कुलसचिव के निजी सहायक, पं. रिवशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेत अग्रेषित।

उप कुलसचिव (अका.)

Disback\shital\T R Sahu\TR General letter.docx





क्रमांक : 191

/अका./2016

रायपुर, दिनांक : 🗸 /01/2016

।। अधिसूचना ।।

दानदाता— श्री कृष्ण कुमार चन्द्रांकर के द्वारा अपने स्वर्गीय पिता श्री गैंदलाल चन्द्रांकर की स्मृति में, स्वर्ण पदक की स्थापना से संबंधित विनियम को, विश्वविद्यालय विद्यापरिषद् की स्थायी समिति की बैठक दिनांक 11.12.2015 एवं कार्यपरिषद् की बैठक दिनांक 15.12.2015 में, अनुमोदित किया गया है। यह स्वर्ण पदक सत्र 2014—15 से विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'वी.एस—सी.' की परीक्षा के पात्र अभ्यर्थी को आगामी स्वर्ण पदक अलंकरण समारोह या दीक्षांत समारोह में प्रदान किया जाएगा। विनियम क्रमांक 164 की स्थापना निम्नानुसार की गई है—

Regulation No. - 164 (E.C. Under 15-12-2015)

GAINDLAL CHANDRAKAR MEMORIAL GOLD MEDAL

Donor

Shri Krishna Kumar Chandrakar,

Vill.-Chicha, P.O.- Tarra, Teh.-Patan, Dist.- Durg

Value of Endowment

Mob.No. - 94255-22023, Rs. 60,000.00 (Rs. Sixty Thousand Only)

B.No./R.No. Gbk-1273, Dated- 9 Dec-2015

Award

One Gold Medal

- 1. The Endowment shall be called "Gaindlal Chandrakar Memorial Gold Medal" and it shall be inscribed on one side of the Medal.
- The net income accruing from endowment every year shall be utilized for the award of Gold Medal at the annual convocation of the University to the Student who secures first position in merit list in B.Sc. final students of University Examination of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, provided that the candidate has passed the examination in the first attempt.
- 3. In the event of two or more examinees being eligible for the award under the provisions of para-2, such an examinee who is younger or youngest in age, shall be awarded the medal.
- The award of Gold Medal shall be effective from examination 2014-2015.

आदेशानुसार,

कलसचिव

पृ. क्रमांक : । । । अका / 2016

रायपुर, दिनांक :04_/01/2016

प्रतिलिपि :

- 01 श्री कृष्ण कुमार चन्द्राकर, ग्राम—चिचा, पो.आ.—तर्रा, तह.—पाटन, जिला—दुर्ग.
- 02. अध्यक्ष, समस्त अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

03. प्राचार्य, समस्त सम्बद्ध महाविद्यालय,

04. समस्त विभाग प्रमुख, विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन,

05. उ.कु.स. परीक्षा / उ.कु.स. गोपनीय / विकास / उ.कु.स. सामान्य प्रशासन / वित्त नियंत्रक,

06. कुलपति के सचिव / कुलसचिव के निजी सहायक, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेत् अग्रेषित।

उप कुलसचिव (अका.)

D:\back\shital\T R Sahu\T.R.Sahu General letter 22.docx



दूरभाष : 0771—2262802 (अकादिभक), 0771—2262540 (कुलसचिव), फैक्स—0771—2262818, 2262607



क्रमांक :

193 / अका. / 2016 रायपुर, दिनांक : 04/01/2016

।। अधिस्चना ।।

दानदाता— श्रीमती संगीता चन्द्राकर के द्वारा अपने स्वर्गीय माता श्रीमती कुंजिया देवी चन्द्राकर की रमृति में, स्वर्ण पदक की स्थापना से संबंधित विनियम को, विश्वविद्यालय विद्यापरिषद् की स्थायी समिति की बैठक दिनांक 11.12.2015 एवं कार्यपरिषद् की बैठक दिनांक 15.12.2015 में, अनुमोदित किया गया है। यह स्वर्ण पदक सत्र 2014–15 से विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित '*बी.फार्मा*' की परीक्षा के पात्र अभ्यर्थी को आगामी स्वर्ण पदक अलंकरण समारोह या दीक्षांत समारोह में प्रदान किया जाएगा। विनियम क्रमांक 165 की स्थापना निम्नानुसार की गई है-

> Regulation No. - 165 (E.C. Under 15-12-2015)

KUNJIYA DEVI CHANDRAKAR MEMORIAL GOLD MEDAL

Donor

Award

Smt. Sangeeta Chandrakar, Vill.-Chicha, P.O.- Tarra. Teh.-Patan, Dist.- Durg Mob.No. - 98261-57740

Value of Endowment

Rs. 60,000.00 (Rs. Sixty Thousand Only) B.No./R.No. Gbk-1274, Dated- 9 Dec-2015

One Gold Medal

- The Endowment shall be called "Kunjiya Devi Chandrakar Memorial Gold Medal" and 1. it shall be inscribed on one side of the Medal.
- The net income accruing from endowment every year shall be utilized for the award of 2. Gold Medal at the annual convocation of the University to the Student who secures first position in merit list in B.Pharma Final year students of University Examination of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, provided that the candidate has passed the examination in the first attempt.

In the event of two or more examinees being eligible for the award under the provisions of 3. para-2, such an examinee who is younger or youngest in age, shall be awarded the

The award of Gold Medal shall be effective from examination 2014-2015. 4.

आदेशानुसार,

रायपुर, दिनांक : 0 4-/01/2016

प्. क्रमांक : 19A /अका./2016

प्रतिलिपि :

श्रीमती संगीता चन्द्राकर, ग्राम–चिचा, पो.आ.–तर्रा, तह.–पाटन, जिला–दुर्ग.

अध्यक्ष, समस्त अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

प्राचार्य, समस्त सम्बद्ध महाविद्यालय,

समस्त विभाग प्रमुख, विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन,

उ.कु.स. परीक्षा / उ.कु.स. गोपनीय / विकास / उ.कु.स. सामान्य प्रशासन / वित्त नियंत्रक, 05.

कुलपति के सचिव / कुलसचिव के निजी सहायक, पं रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) 06. को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित।





क्रमांक : 865 /अका./2016

रायपुर, दिनांक : 🙋 /03/2016

।। अधिसूचना ।।

दानदात्री- श्रीमती नंदिनी सिंह के द्वारा सहज योग की संस्थापिका, श्री माताजी निर्मला देवी के सम्मान में 'श्री माताजी निर्मला देवी सहज योग स्वर्ण पदक' (SHRI MATAJI NIRMALA DEVI SAHAJA YOGA GOLD MEDAL) की स्थापना से संबंधित विनियम को, विश्वविद्यालय विद्यापरिषद की स्थायी समिति की बैठक दिनांक 15.02.2016 एवं कार्यपरिषद् की बैठक दिनांक 17.02.2016 में, अनुमोदित किया गया है। यह स्वर्ण पदक सत्र 2015–16 से विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विश्वविद्यालय शारीरिक शिक्षा अध्ययनशाला में एम.पी.एड. (M.P.Ed.) की परीक्षा के पात्र अभ्यर्थी को आगामी स्वर्ण पदक अलंकरण समारोह या दीक्षांत समारोह में प्रदान किया जाएगा। विनियम क्रमांक 166 की स्थापना निम्नानुसार की गई है-

Regulation No. - 166 (E.C. Under 17-02-2016) SHRI MATAJI NIRMALA DEVI SAHAJA YOGA GOLD MEDAL

Donor

Smt. Nandini Singh,

W/O. Dr. Rajeev Chaudhari,

Satya Sadan, Himmatpura, Dhouli Pyau,

Mathura (Uttarpradesh) 281 001

Mob.No. - 9691460272

Value of Endowment

Rs. 50,000.00 (Rs. Fifty Thousand Only)

B.No./R.No. G1\14261, Dated- 28 Jan-2016

Award

One Gold Medal

- The Endowment shall be called "Shri Mataji Nirmala Devi Sahaja Yoga Gold Medal" 1. and it shall be inscribed on one side of the Medal.
- 2. The net income accruing from endowment every year shall be utilized for the award of Gold Medal at the annual convocation of the University to the Student who secures first position in merit list in M.P.Ed. Final year students of School of Studies in Physical Education of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, provided that the candidate has passed the examination in the first attempt.
- 3. In the event of two or more examinees being eligible for the award under the provisions of para-2, such an examinee who is younger or youngest in age, shall be awarded the
- 4. The award of Gold Medal shall be effective from examination 2015-2016.

पु. क्रमांक : 866 /अका./2016

रायपुर, दिनांक : \ 0 /03/2016

प्रतिलिपि:

- श्रीमती नंदिनी सिंह, W/o.- डॉ. राजीव चौधरी, आचार्य, शारीरिक शिक्षा अध्ययनशाला, पं. 01 रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर
- अध्यक्ष, समस्त अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) 02.

प्राचार्य, समस्त सम्बद्ध महाविद्यालय, 03.

समस्त विभाग प्रमुख, विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन, 04.

उ.कु.स. परीक्षा / उ.कु.स. गोपनीय / विकास / उ.कु.स. सामान्य प्रशासन / वित्त नियंत्रक, 05.

कुलपित के सचिव / कुलसचिव के निजी सहायक, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) 06. को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित।





क्रमांक : 951 /अका./2016

रायपुर, दिनांक :17 /03/2016

॥ अधिसूचना ॥

विश्वविद्यालय विद्यापरिषद् की स्थायी समिति की बैठक दिनांक 15.02.2016 में की गई अनुशंसा, कार्यपरिषद् की बैठक दिनांक 17.02.2016 में अनुमोदन के फलस्वरूप मूल विज्ञान केन्द्र (Center for Basic Sciences- Integrated M.Sc.) से संबंधित विनियम को अधिसूचित किया जाता है।

Regulation No. 167 (E.C. Under 17-02-2016) (Center for Basic Sciences Integrated M.Sc.)

•	Ta						
1.		es admitted to the program shall pursue the prescribed courses regularly in					
	I .	ne ten semesters successively. The Master Degree shall be awarded to those					
	- I	s who shall obtain at least 50% marks in cumulative aggregate in each of					
		mesters in theory, sessional and practical course separately and minimum of					
	40% qualifying marks in each theory, practical and sessional paper.						
2.		B.Sc. (Hons) degree shall also be awarded along with the M.Sc. degree. Student shall					
	have the option to quit the program after three years with the B.Sc. (Hons) degree.						
3.	A student	t failing to appear or securing less than 50% aggregate or obtained less than					
	40% mar	ks in any of the theory, practical or sessional paper in I to X semester					
	examinat	ion shall be allowed to pursue the course for the next following semester.					
		dents shall be considered FAIL or FAIL in AGGREGATE with ATKT					
		heme of examination shall be as follow:					
	(i)	Successful candidate shall be declared PASS up to IX semester and with					
		successful completion of the X semester division will be awarded with					
		appropriate provision.					
	(ii)	A student failing to qualify the examination of any semester shall be					
	()	allowed to keep turn (ATKT) along with the successive semester					
		examination in the following semester.					
	(iii)	ATKT provision shall be in three papers of one semester with maximum					
	()	three attempts only (1 main + 2 ATKT).					
	(iv)	A student who has been admitted to any semester but fails to fill up					
	(11)	examination form of that semester examination or debarred to take					
		examination due to short attendance or any other appropriate reason then					
		he/she shall have to appear at that examination in the following semester.					
	(1)	Each theory and practical shall have 100 marks out of which 60% will be					
	(v)						
		internal spread over three internal examinations comprising of unit tests,					
	 	assignments, presentations, quizzes etc.					
	(vi)	The provision of revaluation will not be available; however a student may					
	<u> </u>	apply for re-totalling.					
	(vii)	The examination shall be held in all subjects as approved by the					
		University from time to time.					

D:\back\shital\T R Sahu\T,R,Sahu General letter 22.docx



	(viii) There shall be no provision for division improvement under Ordinance 184.			
	(ix) The matter not covered in this act/ordinance shall be governed by the ordinance no. 5 and 6 and other provision of the University rules.			
	(x) Marks secured in additional paper will not be added for marking Grad Point Average. However, they shall have to score minimum passin marks.			
	(xi) Student shall be permitted to use simple calculator.			
4.	If a student fails to procure a total of 60% marks in a semester, the scholarship sha be discontinued from the next semester and shall be continued only when they agai get 60% in a semester. Only ST and SC category students shall get back the scholarship amount as arrears which was not given due to failure of procuring 60% marks.			
5.	The weighted total marks secured by the candidate in each course shall be converted into letter grade, respective grade point are given in the following table:			

Percentage of Marks	Grade Point	Letter grade	Description
90 and above	10	S	Extraordinary
80-89	9	Α	Excellent
70-79	8	В	Very good
60-69	7	С	Good
50-59	6	D	Fair
40-49	5	Е	Pass
Below 40	0	F	Fail

आदेशानुसार,

कुलसचिव

पृ. क्रमांकः 952 /अका./2016

रायपुर, दिनांकः 17/03/2016

प्रतिलिपि :

- आयुक्त, उच्च शिक्षा, ब्लॉक-सी-30, द्वितीय एवं तृतीय तल, इन्द्रावती भवन, नया रायपुर। 01.
- समन्वयक, आई क्यू.ए.सी. सेल, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, 02.
- अध्यक्ष, समस्त अध्ययनशाला, 03.
- प्राचार्य, समस्त संबद्ध महाविद्यालय, 04.
- संचालक, महाविद्यालय विकास परिषद/अधिष्ठाता, छात्र कल्याण, 05.
- 06.
- उ.कु.स.,गोपनीय/प्रशासन/स.कु.स. परीक्षा/वित्त नियंत्रक, कुलपति के सचिव/कुलसचिव के निजी सहायक, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित। 07.



दूरमाष : 0771-2262802 (अकादिमक), 0771-2262540 (कुलसचिव), E-mail ID- academicprsu3@gmail.com

क्रमांक : 3971 / अका. / 2024

रायपुर, दिनांक : **05**/08/2024

।। अधिसूचना ।।

विद्याापरिषद् की स्थायी समिति की बैठक दिनांक 16.07.2024 में विषय सूची के निर्णय क्रमांक 06 में संशोधित विनियम क्रमांक—168 की अनुशंसा का कार्यपरिषद् की बैठक दिनांक 19.07.2024 में पूरक विषय सूची निर्णय क्रमांक 02 में अनुमोदित किया गया है, जो निम्नांकित है—

Revised Regulation No. 168

(E.C. under 19-07-2024)

Autonomy to the Center for Basic Sciences

1. **Preamble:** The Center for Basic Sciences (CBS) will offer five-year integrated PG programs in select areas of basic sciences, notably, Physics, Chemistry, Mathematics, Botany and Zoology that will be amenable to 12th graders. The center will also offer Integrated PG-PhD program, Research-based PG and PhD alone programs that will be the ultimate hallmark of the CBS.

2. Academic Autonomy to the Center for Basic Sciences

The academic autonomy shall foster academic excellence in the core branches of basic sciences.

- 3. **Objectives:** The objective of this regulation is:
 - to give academic autonomy to the Center for Basic Sciences
 - to create a "Corpus fund" for smooth functioning of the Center for Basic Sciences.
 - CBS will have the freedom to:
 - (i) Determine and prescribe its own courses of study and syllabi, and restructure and redesign the courses to suit local as well as global needs;
 - (ii) Prescribe rules for admission in compliance with the reservation policy of the state government;
 - (iii) Evolve methods of assessment of students' performance, the conduct of examinations and notification of results;
 - (iv) Use modern tools of educational technology to achieve higher standards and greater creativity; and
 - (v) Promote healthy practices, such as community service, extension activities, neighborhood programs, projects for the benefit of the society at large.

4. Creation of Corpus Fund:

(i). At the discretion of the University Executive Council, the Registrar of the University shall create a "Corpus fund" from the amount receiving from any source / all sources and keep it in any one of the nationalized banks.

G,

(ii). Said fund shall be added with the amount as income from any source and/or the interest earned from the deposits balance in the bank.

5. Scope of Corpus Fund

The scope of this regulation shall be limited to income received by the University from all sources. But for all practical purposes corpus fund is a permanently closed fund with no strings or restriction for future application attached.

6. Operation of Corpus Fund:

- (i) Normally the amount kept as Corpus Fund shall not be used to meet routine expenditure. However, it be used only if an immediate exigency arises.
- (ii) The Corpus Fund shall be operated with the joint signature of the Finance Controller and the Registrar under the control of the Kulapati.

7. Relationship with the parent university, the state government and other educational institutions:

The CBS is free to make use of the expertise of university departments and other institutions to frame their curricula, devise methods of teaching, examination and evaluation. After getting concurrence from the Government of Chhattisgarh the CBS can recruit administrative officer, teachers, non-teaching staff, Lab supporting staff after having concurrence from Government of Chhattisgarh according to the existing procedures (for the university).

The parent university will accept the methodologies of teaching, examination, evaluation and the course curriculum of the CBS. It will also help the CBS to develop its academic programs, improve the faculty and to provide necessary guidance by participating in the deliberations of the different bodies of the university.

- (A) The role of the parent university will be: To bring more autonomous institutions under its fold:
 - (i) To promote academic freedom in the CBS by encouraging introduction of innovative academic programs;
 - (ii) To facilitate new courses of study, subject to the required minimum number of hours of instruction, content and standards;
 - (iii) To permit CBS to issue her own provisional, migration and other certificates;
 - (iv) To do everything possible to foster the spirit of autonomy;
 - (v) To ensure that degrees issued indicate the name of the CBS;
 - (vi) To depute various nominees of the university to serve in various committees of the CBS and get the feedback on their functioning; and
 - (vii) To create separate wings wherever necessary to facilitate the smooth working of the CBS.

(B) The state government will assist the CBS by:

(i) Avoiding, as far as possible, transfer of teachers, especially in parent departments of the university/colleges where academic innovation and reforms are in progress, except for need-based transfers

J.

- (ii) Conveying its concurrence for the extension/conferring autonomy of the CBS to the university within the stipulated time of 30 days after receipt of recommendation of the university based on review committee report constituted by the university having two government nominee from the Higher Education Department, Government of Chhattisgarh, failing which it will be construed that the state government has no objection to the CBS continuing to be autonomous
- (iii) Deputing nominees on time to the governing council of the CBS and other bodies wherever their nominees are to be included, and
- (iv) All three stakeholders, the parent University, the State Government and UGC have to play a very harmonious and proactive role as facilitators in letter and spirits.

(C) Conferring autonomous status:

Autonomy granted to the Center for Basic Sciences is Institutional and covers all the courses at B. Sc. (Hons.), Integrated M.Sc., Research based PG, Dual degree M.Sc.- Ph.D., Ph.D. level, which are being run by the Center at the time of conferment of autonomous status. Also all courses introduced by the Center after the conferment of autonomous status shall automatically come under the purview of autonomy.

Autonomous status covers undergraduate (Honors), postgraduate, Research – based PG, dual degree and Ph.D. programs offered in the CBS. The parent university will confer the status of autonomy upon the CBS with the concurrence of the state government. Once the autonomy is granted, the University shall accept the students of autonomous CBS for award of such degrees as are recommended by the autonomous CBS. The Act and Statutes of the universities ought to be amended to provide for the grant of autonomy to the Center for Basic Sciences. Before granting autonomy, the university will ensure that the management structure of the Center is adequately participatory and provides ample opportunities for academicians to make a creative contribution.

- 8. **Nature of Assistance:** Pattern of financial assistance and other enabling provisions shall be as follows:
 - (i) The University will provide assistance under this scheme to the CBS and other autonomous institutions within the campus to meet their additional and special needs.
 - (ii) Guest/visiting faculty
 - (iii) Orientation and re-training of teachers.
 - (iv) Re-designing of courses and development of teaching/learning material
 - (v) Workshop and seminars
 - (vi) Examination reforms
 - (vii) Office equipment, teaching aids and laboratory equipment
 - (viii) Furniture for office, classrooms, library and laboratories
 - (ix) Library equipment, books/journals

T.

- (x) Expenditure on meetings of the governing council and committees
- (xi) Honorarium to Controller of Examinations (full-time) not exceeding Rs. 10,000.00 p.m.
- (xii) Renovation and repairs leading to construction of a new building for the CBS and other autonomous institutions within the campus
- (xiii) Extension Activities

9. Composition of the Statutory Bodies:

A. Composition of the Governing Council of CBS

The Governing Council shall comprise the following persons:

- a. Vice Chancellor, Pt. Ravishankar Shukla University Raipur, Chairman (exofficio)
- b. Secretary or nominee of Secretary, Higher Education Department, Government of Chhattisgarh (ex-officio)
- c. Secretary or nominee of Secretary, DST, Government of India
- d. A former VC, member nominated by the Vice Chancellor, Pt. Ravishankar Shukla University Raipur
- e. A former secretary, DAE; member nominated by Secretary, DAE
- f. Director or nominee of the Director, Bhabha Atomic Research Centre, Member (ex-officio)
- g. Director or nominee of Director, TIFR, Member (ex-officio)
- h. Jt. Secretary (R&D), DAE, Member (ex-officio)
- i. Finance Controller, Pt. Ravishankar Shukla University Raipur
- j. Director, CBS, Member (ex-officio)

Registrar, CBS, shall be the non-member Secretary to the Council

B. Composition of the Academic Board:

- i. Chairperson of the Academic Board (Board-Chair) shall be an academician of eminence appointed by the Governing Council. Such a person may either be
 - Regular or an Emeritus Faculty of CBS
- ii. Director, CBS, shall be the ex-officio Co-Chairperson of the Board
- iii. There shall be a minimum of 5 persons, excluding employees of the Center, nominated by the Governing Council

Such other member or members as may be necessary in the opinion of the Council

The Registrar shall be the non-member Secretary to the Academic Board and shall be the custodian of all documents, admission and academic records of the students of CBS and also of CBS itself.

C. Board of Studies in Core Subjects:

As per the statuary provisions of the university.

9-

a

D. The Finance Committee:

The Finance Committee of the Center shall consist of the following persons:

- i. Director, shall be the ex-officio Chairperson of the Committee
- ii. Jt. Secretary (R&D), Department of Atomic Energy
- iii. Jt. Secretary (F), Department of Atomic Energy
- iv. Finance Controller of Pt. Ravishankar Shukla University Raipur
- v. Registrar shall be the Member-Secretary of the Finance Committee.

10. Meetings of the Statutory Bodies:

- (i) Introduction of a new course should be executed after due preparation and large scale participatory discussions.
- (ii) Preparation for a course to be introduced in the next academic session should start in the month of October of the preceding session with meetings of Academic Board.
- (iii) Academic Board meeting should be held twice, once in the month of January to discuss proposals for the next academic session and again in the month of August to monitor status of newly introduced courses. Academic Board shall propose ways and means to maintain quality norms.
- (iv) Governing Council meetings should follow the meetings of Academic Board. In the month of August the Governing Council should pass the budget of the CBS fund.
- (v) Finance committee should meet at least twice in a financial year. The meetings can be organized in the month of April and September of every year. The meeting in the month of April shall be the budget meeting for autonomy grant and in September there will be another budget meeting for autonomous fund created by the university through examination and other relevant fees.

11. Examination Cell & System

- (i) Autonomous CBS shall have an Examination Cell headed by Controller of Examination who will be a permanent faculty nominated by the university on the basis of potential of the person.
- (ii) The Controller of Examination will create his/ her own team with the approval of the Director of the Center. The team shall consist of Deputy Controllers/ Assistant Controllers, the number of persons to be nominated shall depend on the quantum of work in the Examination Cell. Teachers working in the Center shall be nominated in the Examination Cell for tenure of 3 years. They will continue doing their teaching work as scheduled by the CBS.
- (iii) There shall be a team of Office Assistants, Computer Programmers, Data Entry Operators and other helpers in the Examination Cell of CBS.
- (iv) Examination Cell will have appropriate printing unit also for printing of question papers and other relevant confidential material.
- (v) All part-time/full-time functionaries of the Examination Cell shall be paid honorarium for the extra work being done by them apart from their usual work. Such honoraria shall be proposed by the Finance Committee and shall be approved by the Governing Council.

The state of the s

- (vi) Governing Council may also approve appointment of full time office staff in the examination cell on contractual basis on the recommendation of Finance Committee. The salary of such staff will also be decided by the same mechanism.
- (vii) There shall be continuous, comprehensive evaluation of students through internal and external examination. At least 2 internal examinations per semester and 1 end semester examination should be conducted.
- (viii) In order to motivate students to be free of rot learning, various mechanism of internal evaluation should be adopted, such as group discussion, paper reading, home assignments and viva voce.
- (ix) Remuneration for examination work should be decided by the finance committee and should be approved by the Governing Council. In no case it should be less than that paid by the parent university.

12. Award of Degrees: Through Parent University

- The parent university shall award degrees to the students evaluated and recommended by the CBS.
- The degree certificates will be in a common format devised by the university.
- The name of the CBS will be mentioned in the degree certificate.
- 13. Remaining matters not covered in this regulation shall be governed by the respective provisions of the University Act / Statute/ Ordinances / regulations.

आदेशानुसार,

ज्ञान १५ कुलासचिव

पृ. क्रमांक : 3972/अका./2024

रायपुर, दिनांक : 🗸 🎖 /08/2024

प्रतिलिपि:-

- 01. माननीय राज्यपाल एवं कूलाधिपति महोदय के अवर सचिव, छत्तीसगढ़ राजभवन, रायपुर
- 02. सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, अटल नगर, नवा रायपुर
- 03. सचिव, छत्तीसगढ शासन, वित्त विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, अटल नगर, नवा रायपुर
- 04. आयुक्त, उच्च शिक्षा, ब्लॉक-सी-3, द्वितीय एवं तृतीय तल, इन्द्रावती भवन, अटल नगर, नवा रायपूर
- 05. अध्यक्ष, समस्त अध्ययनशाला/प्राचार्य, संबद्ध समस्त महाविदयालय,
- 06. समस्त विभागीय अधिकारी,
- 07. कुलपति के सचिव ∕कुलसचिव के निजी सहायक,

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्याालय, रायपुर को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित।

उप-कुलसचिव (अका.)

प्रशिश



दूरभाष : 0771-2262802 (अकादमिक), 0771-2262540 (कुलसचिव), फैक्स-0771-2262818, 2262807



क्रमांक : *961*

/ अका. / 2016

रायपुर, दिनांक : 17/03/2016

॥ <u>अधिसूचना</u> ॥

विश्वविद्यालय विद्यापरिषद् की स्थायी समिति की बैठक दिनांक 15.02.2016 में की गई अनुशंसा, कार्यपरिषद् की बैठक दिनांक 17.02.2016 में अनुमोदन के फलस्वरूप श्री उवसग्गहरं पार्श्व तीर्थ, पारस नगर—नगपुरा, जिला—दुर्ग के द्वारा जैन दर्शन और संस्कृति के क्षेत्र में आवार्य श्री लिख सूरी. महाराजा जैन अध्ययन पीठ (Jain Study Chair) की स्थापना से संबंधित विनियम को अधिसूचित किया जाता है।

Regulation No. 169 (E.C. Under 17-02-2016)

Establishment of a Chair for research and advancement of knowledge in the field of Jain Philosophy and Culture in Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur

- 1. The chair will be designated in the name of illustrious Jain Saint and Philosopher Jain Acharya Shri Labdhisuri Maharaj.
- 2. The designation of the chair person would be Adhyaksha of Jain Study Chair.
- 3. Qualification for selection of chair person would be on the basis of outstanding track record in the field of study of Jain philosophy and culture.
- 4. Age above 55 years. (The chair being funded by a public trust, the age limit guideline of UGC is not applicable. There is no specific age limit for appointment on the chairs established by State Govt. Refer, Bakhshi Srijan Peeth and even Hindi Granth Academy.)
- 5. Pay Consolidated Rs. 100000 per month.
- 6. Period of appointment The appointment will be initially for one year which may be extended up to maximum for the period of 5 years.
- 7. Duration of chair 5 years and if financial support continues then till the support would be available.
- 8. Mode of nomination- The appointment will be done on the basis of the recommendation of a 3 member committee. The committee would consist of the Vice-Chancellor of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, Chairperson of the Uvasggaharam Parshva Tirth, Nagpura, and an eminent (external) person nominated by the Executive Council of the University.
- 9. Academic functions of the chair:
 - (i) To engage in research and, in turn, contribute to the advancement of knowledge in the area of study of Jain philosophy and culture.
 - (ii) To strengthen the role of university/academics in public policy with regard to promoting unity in the multi religious, multi cultural and diverse way of life in India, particularly Chhattisgarh.
 - (iii) To provide forum for Research level dialogues, discussion meetings, seminars/summer & winter schools.
 - (iv) To publish articles/research papers/ reports/ books /monograms.
 - (v) To participate in teaching and Ph. D. program of the department in which it would be located.

- 10. Logistics support to the Chairs The chair be located in one of the departments of the university and the university would provide all the academic, administrative and logistic support extended to other professors of the university.
- 11. Funding - The fund would be provided by the Uvasggaharam Parshva Tirth, Nagpura to the university on yearly basis in advance. The fund would be kept in a separate bank account by the university. The account would be operated jointly by the chairperson of the chair and the Registrar of the university. The account would be maintained by the staff of the chair. The account would be audited by a chartered accountant every year and would be submitted to the Tirth and University.
 - The funding would be 100% for the chair. (i)
 - (ii) For books & journals Rs. 150000 per year.
 - (iii) For local and national travels Rs. 100000 per year.
 - (iv) For secretarial assistance Rs. 150000 per year.
 - For organization of workshop/conference seminar Rs. 100000 per year. (v)
 - For contingency for office expenses, hiring assistance for fieldwork and data (vi) collection and analysis Rs. 120000 per years.
- 12. Pt. Ravishankar Shukla University would evolve a mechanism to review the progress of the chair annually.
- The university will submit a final report on the activities and the outcome of the chair to 13. the fund provider the Uvasggaharam Parshva Tirth, Nagpura.
- 14. The University and the fund provider may undertake the exercise of reviewing the chair for its continuance, at any stage.
- 15. An Memorandum of understanding will be signed by the Vice Chancellor of Pt. Ravishankar University Raipur and the chair person of Uvasggaharam Parshva Tirth, Nagpura, District Durg, for the implementation of the proposal for the establishment of chair.
- 16. The rules for the functioning of the chair and its activities will be framed by the university in consultation of the Adhyaksha of Jain Study Chair.

आदेशानुसार,

पृ. क्रमांकः 962 /अका./2016

रायपूर, दिनांकः /) / 03 / 2016

प्रतिलिपि :

- आयुक्त, उच्च शिक्षा, ब्लॉक-सी-30, द्वितीय एवं तृतीय तल, इन्द्रावती भवन, नया रायपुर। 01.
- अध्यक्ष, श्री उवसग्गहरं पार्श्व तीर्थ, पारस नगर-नगपुरा, जिला-दुर्ग 02.
- समन्वयक, आई.क्यू.ए.सी. सेल, पं. रविशंकर शक्ल विश्वविद्यालय, रायपर, 03.
- अध्यक्ष, समस्त अध्ययनशाला. 04.
- प्राचार्य. समस्त संबद्ध महाविद्यालय, 05.
- संचालक, महाविद्यालय विकास परिषद / अधिष्ठाता, छात्र कल्याण, 06.
- उ.कु.स.,गोपनीय / प्रशासन / स.कु.स. परीक्षा / वित्त नियंत्रक, 07.
- कुलपति के सचिव / कुलसचिव के निजी सहायक, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपूर 08. को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेत् अग्रेषित।

उप कुलसविव (अका.)



दूरभाष : 0771—2262802 (अकादिमक), 0771—2262540 (कुलसचिव), फैक्स—0771—2262818, 2262607



क्रमांक : 1551 /अका./2016

रायपुर, दिनांक : 23/06/2016

॥ अधिसूचना ॥

विश्वविद्यालय विद्यापरिषद् की स्थायी समिति की बैठक दिनांक 04.06.2016 में अध्यक्ष की अनुमित से अन्य निर्णय क्रमांक 2 में परामर्श दात्री प्रकोष्ठ (Consultancy Cell) के लिये प्रस्तावित विनियम का अनुमोदन, कार्यपरिषद् की बैठक दिनांक 06.06.2016 में किया गया है, अधिसूचित किया जाता है, जो निम्नांकित है :-

REGULATION NO. -170 CONSULTANCY

(E.C. 06-06-2016)

PREAMBLE

In the light of changing economic scenario, and University's priorities, the University considers industrial consultancy projects as an important means for extending benefit of scientific research work to Government Departments / Semi Govt. Departments / Private Institutions / Industries, and as a tool for contributing to the country's economic growth. Therefore, as a matter of policy, the University encourages its faculty members to undertake research and consultancy work as a measure of scientific/technical collaboration with outside agencies. Appropriate consultancy projects, in addition, for providing much needed service to the government and industry, also benefit the concerned faculty members and the Institute in several ways. They enrich the professional experience and knowledge of faculty members and thus make them better educators. Consultancy projects provide a firsthand knowledge of the current problems of industry and the emerging area which is very helpful in tuning the curriculum to the national needs. The faculty members get an opportunity to apply their ideas for finding out the solutions to the problems in emerging areas. Furthermore, the consultancy work also provides incentives for their contributions to all categories of staff.

DEFINITIONS

- 1 University means Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, Chhattisgarh.
- **2 Schools** means all the academic departments, academic centres, centres of excellence and academic service centres at the University.
- 3. Consultancy Project means consultancy assignment/job given by outside agency to a faculty of the University for work within mutually agreed scope. It will also include a consultancy assignment/job referred to the Head of the School which may be taken up as a Consultancy Project by faculty.
- 4. Routine Testing project implies those testing works where the rates are fixed by the School. The concerned Head of the School or the concerned Faculty will be the PI. The budget provision will be as per enclosed table. (Fee for testing of materials will be decided by the School/Faculty with prior approval of the University.)

- 5. Principal Investigator (P.I.) is a member of the faculty/scientist of the University with necessary expertise and competence to conduct consultancy work.
- 6. Investigator (I) means a person from amongst the faculty co-opted by the Principal Investigator to work jointly with him/her on the consultancy project or any other Class III/IV staff employed for the said consultancy/testing.
- 7. Consultant: Consultant is an individual or government/ public sector undertaking/ government company engaged for a specific period to carry out specific job.
- 8. Departmental Development Fund (DDF) means a fund of the Department to which a 20% of the Institute overhead charges/ share from consultancy Projects are transferred:
- 9. Registration Fee: A party intending to hire consultancy services of the University shall have to get itself registered by depositing an amount of Rs. 1000/- onetime non-refundable with the University (this amount will be deposited with Institution Institutional Overhead charges).

GENERAL

- 1. Individuals or Departments shall take up consultancy. All funds in connection with consultancy shall be deposited in the university. The account of consultancy will be maintained by each department and controlled by the Head of School.
- 2. The time spent by a faculty/scientist on Consultancy Project will not exceed one day per working week plus one day during week end, thus a total of 104 man days during the calendar year.
- 3. Consultancy project (other than routine testing) from any sponsor can be taken up for a minimum amount of Rs. 50,000/-. For consultation work involving only site visit or personal discussion a minimum amount of Rs.10,000/- per man-day for faculty/scientist, and Rs.1,000/- per man-day for technical and other non-academic staff may be charged.
- 4. The report of the consultancy projects will be kept by PI for a period of 03 years from the date of closure of the project and for routine testing from the date of issue of report.
- 5. The Pl and /or Co-Pl would be entitled to publish research articles based on the results of said analysis, however offering co authorship to the consultant. A clarification must be obtained by the PI before finalizing the consultancy programe.

Student Assistants

The PI may engage Institute Students (who may or may not be getting fellowship/ assistantship) as student assistants for the consultancy work. The payment for such engagement shall be limited to Rs 5000/- per month for PG students, Rs 18000/- per month for Ph. D. students and Rs 40,000/- per month for Post Doc Fellows. The payment for an external expert shall be limited to Rs. 20,000/- per month or per consultancy project.

Finance and Accounts

1. At the time of submission of a consultancy project proposal, the PI shall make a provision for Institutional share at the rate of 25% of the total contracted project cost. However, such share shall be 40% for routine testings.

2. The budget for the proposal should be in one part. It should reflect project consultancy fee for PI, Co-PI and other investigators. Expenses on equipment, supporting manpower, travel, contingency must also be included in the budget, if necessary. (The faculty is advised that if the expense on equipment, supplies, manpower, travel, etc. is large, then these must be proposed as a separate R & D project.). These are summarized in the table given below:

Budget for Consulting Projects		
Consulting fee to be paid to PI*	A	
Consulting fee to be paid to co-PI*	В	
Consulting fee to be paid to other investigators*	С	
Total consulting fee		D = A + B + C
Equipment	Е	
Supplies and any contingent expenses	F	
Manpower (students, external experts)	G	
Travel etc.	Н	
Total other expenses	J = E + F + G + H	
Total expenses	K = D + J	
Institutional Over head charges (5% of Total consulting	L = 0.05*D	
Departmental development Fund (20 % Total consulting	L = 0.20* D	
Sub-total including overheads	M = K + L	
Service tax	N = 0.1236*M	
Total consulting charges		P = M + N

^{*}Amount charged as consultancy fee shall be divided among the investigators in the ratio of PI: CoPI: Other Investigators:: 3: 1: 1.

आदेशानुसार,

कुलसचिव

प्. क्रमांकः 1552 / अका. / 2016

रायपुर, दिनांकः 23/06/2016

प्रतिलिपि :

- 1. आयुक्त, उच्च शिक्षा, ब्लॉक-सी-30, द्वितीय एवं तृतीय तल, इन्द्रावती भवन, नया रायपुर।
- 2. अध्यक्ष, समस्त अध्ययनशाला.
- 3. प्राचार्य, समस्त सम्बद्ध महाविद्यालय,
- 4. संचालक, महाविद्यालय विकास परिषद् / जनसंपर्क अधिकारी / अधिष्ठाता, छात्र कल्याण,
- 5. वित्त नियंत्रक / प्रभारी, अंकेक्षण,
- 6. समस्त विभागीय अधिकारी
- 7. कुलपति के सचिव / कुलसचिव के निजी सहायक, पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतू प्रेषित।

उप कुलसचिव (अका.)

D:\back\shital\T R Sahu\T.R.Sahu General letter 22.docx-980